

राज्यपाल ने संरक्षण क्षमता महोत्सव 'सक्षम 2019' का उद्घाटन किया
ऊर्जा के सही प्रयोग और संरक्षण पर ही आने वाले कल का विकास टिका है - राज्यपाल

लखनऊ: 16 जनवरी, 2019

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान में संरक्षण क्षमता महोत्सव 'सक्षम 2019' का उद्घाटन किया। 'सक्षम 2019' का आयोजन पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत पेट्रोलियम कंजरवेशन एण्ड रिसर्च एसोसिएशन तथा तेल एवं गैस सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा तेल एवं गैस उत्पादों के संरक्षण एवं समुचित उपयोग के लिये जनमानस में जागरूकता के उद्देश्य से किया गया था। कार्यक्रम में इण्डियन आयल कारपोरेशन के कार्यकारी निदेशक श्री अरूण कुमार गंजू, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम लिमिटेड के अनुज कुमार जैन, गैस अथारिटी आफ इण्डिया के श्री आर०के० दास, भारत पेट्रोलियम लिमिटेड के श्री रमन मलिक सहित लगभग 400 विद्यार्थीगण एवं बड़ी संख्या में तेल कंपनियों के प्रतिनिधिगण उपस्थित थे। राज्यपाल ने इस अवसर पर पेट्रोलियम उत्पादों के संरक्षण की शपथ दिलायी तथा जागरूकता रैली में भाग लेने वाले विद्यालयों के प्रतिनिधियों को स्मृति चिन्ह व शाल भेंटकर सम्मानित भी किया। 'सक्षम 2019' के अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा पोस्टर, बैनर, क्विज, चित्रकला, निबंध प्रतियोगिता के माध्यम से पेट्रोलियम उत्पादों के संरक्षण के लिये समाज को जागरूक किया जायेगा।

राज्यपाल ने कहा कि विकास के लिये ऊर्जा आवश्यक है। ऊर्जा के सही प्रयोग और संरक्षण पर ही आने वाले कल का विकास टिका है। सभी का यह दायित्व है कि ऊर्जा के विभिन्न विकल्पों का सही प्रयोग करें और इसके संरक्षण के प्रति हर संभव प्रयास करें। देश की तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था में पेट्रोलियम उत्पाद अत्यंत आवश्यक हैं। इनका अपव्यय अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है। प्राकृतिक संसाधन सीमित हैं इसलिये उनके प्रति जागरूकता और संरक्षण जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस विषय पर जनता को ज्यादा से ज्यादा जागरूक किया जाना चाहिए।

श्री नाईक ने कहा कि जैसे पानी जीवन के लिये महत्वपूर्ण है उसी तरह पेट्रोल को भी बचाने की आवश्यकता है। छोटी-छोटी बातों का ख्याल करके पेट्रोलियम बचाया जा सकता है। पेट्रोलियम की दो बूंद बचाना विकास के लिये जरूरी है। जन प्रबोधन के लिये जागरूकता आवश्यक है, उसे दायित्व और कर्तव्य समझकर करें तभी देश के विकास की गति बढ़ेगी। बढ़ते हुये प्रदूषण को ध्यान में रखकर अन्य ऊर्जा के स्रोत पर विचार करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पेट्रोलियम पदार्थ की बचत के लिये लोगों के सामने व्यवहारिक उपाय सुझाना होगा।

राज्यपाल ने कहा कि अपने परिवार में आना सबको अच्छा लगता है। मैं भी एक समय में पेट्रोलियम मंत्री के नाते पेट्रोलियम मंत्रालय से जुड़ा रहा हूँ। 30 दिन तक चलने वाला सक्षम महोत्सव वास्तव में पेट्रोलियम विभाग का कुम्भ महोत्सव जैसा आयोजन है। राज्यपाल ने

बताया कि वर्ष 2004 में जब वे पेट्रोलियम मंत्री थे तब देश में 70 प्रतिशत पेट्रोलियम आयात होता था जिसका सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता था। आयात पर निर्भरता कम करने के लिये उनके कार्यकाल में पेट्रोल में 5 प्रतिशत इथनाल मिश्रित करने का निर्णय लिया गया। पेट्रोलियम मंत्री रहते हुये उन्होंने विदेशों में पेट्रोलियम क्षेत्र में निवेश का कठिन निर्णय लिया जिसके सकारात्मक परिणाम आये। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार के स्तर से पेट्रोलियम के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रयास किये जा रहे हैं।

कार्यक्रम में इण्डियन आयल कारपोरेशन के कार्यकारी निदेशक श्री अरुण कुमार गंजू ने स्वागत उद्बोधन दिया। राज्यपाल ने स्कूली बच्चों की रैली को झण्डी दिखाकर रवाना किया।

अंजुम/ललित/राजभवन (19/19)



